टीकमगढ़

नवभारत

भोपाल, रविवार, 07 जून 2026

एक नजर में

महाविद्यालय में प्रतियोगिता संपन्न

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

मध्य प्रदेश शासन पर्यावरण विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन एवं आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार एवं डॉ केसी जैन प्राचार्य, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में व्याख्यान, चित्रकला, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ केसी जैन ने कहा कि यदि विश्व को सुरक्षित रखना है तो हम सभी को पर्यावरण को साफ़ स्वच्छ एवं स्वस्थ रखना होगा। इसके लिए सभी छात्र-छात्राओं से अनुरोध करता हूं कि प्रत्येक छात्र बरसात के दौरान कम से कम पांच वृक्षों का पौधा रोपण करें। डॉ सुमित बनर्जी ने बताया कि वर्तमान में बुंदेलखंड क्षेत्र में अत्यधिक तापमान बढ़ रहा है, जिसकी वजह है पेड़-पौधों की लगातार कटाई होना एवं भूमि का उत्खनन होना है। इसी दौरान डॉ राम मनोहर अहिरवार ने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं बरसात के दौरान बरसात के पानी को छत की पाइप के द्वारा बोरवेल या किसी एक निश्चित जगह पर एकत्रित करें जिससे पृथ्वी पानी से रिचार्ज होगी और पृथ्वी पर नए-नए पेड़ पौधे उगेंगे तथा पृथ्वी का तापमान भी कम होगा।

सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत पर अतिक्रमण करने का आरोप

ग्राम पंचायत परा खास के ग्रामीणों ने बताई समस्या

पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने की जताई आशंका

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

जनपद पंचायत टीकमगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत परा खास के ग्रामीणों ने गांव के एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत को बचाने की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सार्वजनिक जलकूप के आसपास मिट्टी डालकर जल स्त्रोत को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे पूरे मोहल्ले की पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

ज्ञापन के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा पूर्व में आदिवासी बस्ती स्थित कानूदेव मंदिर के सामने एक सार्वजनिक पेयजल कुएं का निर्माण कराया गया था। यह कुआं क्षेत्र के लोगों के लिए प्रमुख जल स्त्रोत है और वर्षभर पर्याप्त पानी उपलब्ध कराता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस कुएं का उपयोग आसपास के सभी मोहल्ले के लोग पेयजल एवं घरेलू कार्यों के लिए करते हैं।ग्रामीणों ने बताया कि आदिवासी बस्ती और मंदिर तक पहुंचने के लिए बनाई गई सड़क के पास कुएं के निकट एक पुलिया का निर्माण भी कराया गया था, ताकि बरसात का पानी सीधे कुएं में न पहुंचे और सुरक्षित रूप से बाहर निकल जाए। इसके बावजूद हाल ही में कुछ लोगों द्वारा कुएं के पास 5 से 10 ट्रॉली मिट्टी डलवा दी गई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि संबंधित कुआं लगभग 90 से 100 फीट गहरा तथा 20 से 25 फीट चौड़ा है और पत्थरों से मजबूत तरीके से निर्मित है। इसमें पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध रहता है, जिससे आसपास के कई परिवारों की जल आवश्यकताएं पूरी होती हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि यदि कुएं के आसपास डाली गई मिट्टी नहीं हटाई गई तो बारिश का पानी पुलिया से निकलने के बजाय सीधे कुएं में जाएगा, जिससे जल स्त्रोत प्रदूषित होने और उसके नष्ट होने की आशंका बढ़ जाएगी। इसके अलावा सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि कुएं के आसपास डाली गई मिट्टी को तत्काल हटाया जाए, कुएं की सुरक्षा के लिए लगभग पांच फीट ऊंची मुंडेर का निर्माण कराया जाए तथा कुछ लोगों द्वारा निजी उपयोग के लिए लगाए गए मोटरों को हटाकर सार्वजनिक जल स्त्रोत की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। साथ ही दोषी तत्वों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई करने की मांग भी की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि कुएं के आसपास डाली गई मिट्टी नहीं हटाई गई तो बारिश का पानी पुलिया से निकलने के बजाय सीधे कुएं में जाएगा, जिससे जल स्त्रोत प्रदूषित होने और उसके नष्ट होने की आशंका बढ़ जाएगी। इसके अलावा सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि कुएं के आसपास डाली गई मिट्टी को तत्काल हटाया जाए, कुएं की सुरक्षा के लिए लगभग पांच फीट ऊंची मुंडेर का निर्माण कराया जाए तथा कुछ लोगों द्वारा निजी उपयोग के लिए लगाए गए मोटरों को हटाकर सार्वजनिक जल स्त्रोत की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। साथ ही दोषी तत्वों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई करने की मांग भी की गई है।

संबंधित अधिकारी जाएंगे मौके पर

जब इस संबंध में जिला कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय से बात कि तो उन्होनें कहा कि जिले के किसी भी क्षेत्र में अतिक्रमण करने वाले लोगों को बख्शा नहीं जाएगा रही बता ग्राम पंचायत परा खास के ग्रामीणों ने गांव के एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत को बचाने की तो संबंधित विभाग के आला अधिकारियों को मौके पर भेजकर स्थिती का सहीं पता लगवाया जाएगा। जिससे यहा के ग्रामीणों को समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय

अनेक अधिकारियों को भेजा ज्ञापन

ग्राम पंचायत परा खास के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर अपनी मांग प्रमुखता से सामने रखी है। जिसमें ज्ञापन की प्रतिलिपि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत टीकमगढ़ तथा तहसीलदार बड़ागांव धसान को भी भेजी है।ज्ञापन के साथ संबंधित जलकूप के फोटो एवं वीडियो भी संलग्न किए गए हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो आने वाले वर्षा काल में पूरे क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था प्रभावित हो सकती है, जिससे सैकड़ों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत सफाई अभियान

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी नगर पालिका टीकमगढ़ प्रशासक श्रीमती अंजली शर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदौरिया आदेशानुसार स्वच्छता सर्वेक्षण नाली अभियान के तहत आज जवाहर चौराहे पर जेसीबी मशीन से नाली सफाई होने के बाद कचरा उठवा कर सफाई करायी गई। महेंद्र सागर तालाब के पास सार्वजानिक शौचालय की सफाई करायी गई।

इसके साथ ही शिवम टॉकीज के पीछे गली लगभग 150 मीटर नाली की सफाई करा कर कचरा तत्काल उठवाया गया। वार्ड 25 लक्कड खाना मुहल्ले की लगभग 200 मीटर नाली की सफाई करायी गई। ढोंगा गल्ला मंडी रोड पर लगभग 200 मीटर नाली की सफाई करायी गई। शिव शक्ति कॉलोनी पुष्पा इंग्लिश मीडियम स्कूल के पीछे वाले नाले को जेसीबी द्वारा साफ करा कर कचरा उठवाया गया एवं अन्य वार्डों में भी नाली की सफाई करायी गई एवं नाली साफ करा कर कचरा तत्काल उठवाया गया।कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी नगर पालिका टीकमगढ़ प्रशासक श्रीमती अंजली शर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदौरिया आदेशानुसार स्वच्छता सर्वेक्षण नाली अभियान के तहत आज जवाहर चौराहे पर जेसीबी मशीन से नाली सफाई होने के बाद कचरा उठवा कर सफाई करायी गई। महेंद्र सागर तालाब के पास सार्वजानिक शौचालय की सफाई करायी गई।

सांदीपनि विद्यालय में कलेक्टर पहुंचे पौधारोपण करने

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तहसील बड़ागांव धसान में नव निर्मित सांदीपनि विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया।

इस अवसर पर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कहा कि उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। इसके साथ ही जल स्त्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि तालाब, कुएं एवं अन्य पारंपरिक जल संरचनाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ-साथ जल सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के छोटे-छोटे प्रयास करे तो बड़े सकारात्मक परिवर्तन संभव हैं। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सरोज राजपूत, तहसीलदार पलक जैन, सीएमओ नगर परिषद बड़ागांव धसान सुश्री शिवि उपाध्याय, शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारी तथा स्थानीयजन उपस्थित रहे। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तहसील बड़ागांव धसान में नव निर्मित सांदीपनि विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत पौधारोपण किया।

अनुदान के माध्यम से मिलेगा बीज

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

तिलहन फसलों को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय मिशन ऑन इडीबल ऑयल योजना अंतर्गत घटक बीज वितरण अनुदान के माध्यम से कृषकों को नि:शुल्क बीज वितरण किया जायेगा।

बीज वस्तु के रूप में उत्पादक संस्थओ से किसानों को उपलब्ध कराकर कैफेटेरिया अनुसार प्रदर्शन की शेष सामग्री कृषकों के द्वारा देयक प्रस्तुत करने पर डीबीटी के माध्यम से कृषकों के खाते में प्रावधानानुसार अनुदान भुगतान किया जायेगा।

जिला जेल में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ श्रीमती प्रवीणा व्यास के मुख्य आतिथ्य में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला जेल टीकमगढ़ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में श्रीमती प्रवीणा व्यास प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ ने पौधारोपण करते हुए बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का उद्देश्य यह है कि हम प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तथा जितना हमारे लिए आवश्यक है। साथ ही अपनी अस्मिता के साथ-साथ इस धरती पर रहने वाले सभी जीवों की अस्मिता का आदर करें तथा पर्यावरण को संरक्षित करने का प्रयास करें। धरती पर जीवन के लालन पालन के लिए पर्यावरण प्रकृति का उपहार है। वह प्रत्येक तत्व जिसका उपयोग हम जीवित रहने के लिए करते है वह सभी पर्यावरण के अंतर्गत आते है।

तापमान को लेकर दी गई सलाह

नवभारत न्यूज,टीकमगढ़।

वर्तमान में बढ़ रहे तापमान और लू हीट बेव के कारण कुक्कुट मुर्गी पालकों के सामने मुर्गियों के स्वास्थ्य और उत्पादन को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। गर्मी के मौसम में मुर्गियों को श्हीट स्ट्रेसश् गर्मी का तनाव होने से उनकी मृत्यु दर बढ़ सकती है और अंडों, मांस के उत्पादन में गिरावट आ सकती है।

इसे ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, टीकमगढ़ के पशुधन प्रभारी एवं मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. सतेंद्र कुमार ने केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.एस. किरार के मार्गदर्शन में मुर्गियों की उचित देखभाल के लिए निम्नलिखित तकनीकी सलाह जारी की है। मुर्गी शेड की छतों पर पुआल, बोरी या घास डालें और दिन में 2-3 बार पानी का छिड़काव करें ताकि शेड के भीतर का तापमान नियंत्रित रहे।

शासन ने कृषक को बनाया प्रगतिशील

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान न केवल अपनी उत्पादन लागत कम कर सकते हैं, बल्कि बेहतर उपज प्राप्त कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकते हैं। इसका उत्कृष्ट उदाहरण विकासखंड टीकमगढ़ के ग्राम नीमखेड़ा निवासी प्रगतिशील कृषक किशोरी यादव ने प्रस्तुत किया है।

किशोरी यादव ने कृषि अभियांत्रिकी विभाग एवं बीआईएसए जबलपुर के मार्गदर्शन में गेहूं की कटाई के बाद ग्रीष्मकालीन मूंग की उन्नत किस्म विराट की बुवाई हैप्पी सीडर कृषि यंत्र के माध्यम से सीधे खड़ी नरवाई में बिना जुताई के की। उन्होंने 8 अप्रैल को मूंग की बुवाई की थी, जिसका अंकुरण अत्यंत संतोषजनक रहा। वर्तमान में उनकी फसल उत्कृष्ट स्थिति में है और उन्हें अच्छी उपज मिलने की पूरी संभावना है। किशोरी यादव बताते हैं कि हैप्पी सीडर तकनीक अपनाने से उन्हें खेत की तैयारी में लगने वाले समय, श्रम और लागत में उल्लेखनीय बचत हुई है। गेहूं की कटाई के बाद बिना जुताई सीधे बुवाई होने से प्रति एकड़ लगभग दो हजार रुपये तक की बचत हुई। साथ ही समय पर बुवाई होने से फसल का विकास बेहतर हुआ है, जिससे उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।

इस तकनीक का एक महत्वपूर्ण लाभ यह भी है कि खेत में बची गेहूं की नरवाई को जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मृदा की उर्वरता भी बनी रहती है। खेत में मौजूद नरवाई नमी संरक्षण का कार्य करती है तथा सिंचाई के बाद सड़कर जैविक खाद के रूप में मिट्टी को पोषण प्रदान करती है। श्री यादव का कहना है कि यदि किसान आधुनिक कृषि यंत्रों एवं वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाएं तो कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने अन्य किसानों से भी हैप्पी सीडर जैसी नवाचार आधारित तकनीकों को अपनाने की अपील की है। आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान न केवल अपनी उत्पादन लागत कम कर सकते हैं, बल्कि बेहतर उपज प्राप्त कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकते हैं।

इसका उत्कृष्ट उदाहरण विकासखंड टीकमगढ़ के ग्राम नीमखेड़ा निवासी प्रगतिशील कृषक किशोरी यादव ने प्रस्तुत किया है। किसान हैप्पी सीडर यंत्र को अनुदान पर प्राप्त करने के लिए कृषि अभियांत्रिकी विभाग के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। पात्र किसानों को यंत्र की लागत का लगभग 50 प्रतिशत अथवा लगभग 90 हजार रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाता है।

अवैध रेत उत्खनन पर तहसीलदार ने की कार्यवाही

कार्यवाही के बाद रेत माफियाओं में हड़कंप

पोकलेन मशीन जब्त, चालक मौके से फरार

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

अवैध रेत खनन के खिलाफ जिलेभर में प्रशासन की कार्रवाई जारी है। जिसके चलते शनिवार को कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देश पर लिधौरा तहसीलदार ने राजस्व टीम के साथ छापा मार कार्यवाही अंजाम दिया है। यह कार्रवाई उपरारा गांव के पास सुखनई नदी पर की गई, जहां अवैध रूप से रेत निकाली जा रही थी। कार्यवाही के बाद रेत माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

जानकारी के अनुसार शनिवार को जैसे ही टीम मौके पर पहुंची तो खनिज माफिया तुरंत भाग निकले। पोकलेन मशीन का ड्राइवर भी वाहन लेकर भागने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर मशीन को जब्त कर लिया। लिधौरा तहसीलदार निशांत चौरसिया ने बताया कि मौके से रेत का अवैध भंडार भी जब्त किया गया है।कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने जानकारी दी कि पिछले एक महीने से अवैध रेत खनन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान जब्त की गई चार पोकलेन मशीनों को छुड़वाने के लिए उनके मालिक अभी तक सामने नहीं आए हैं।प्रशासन ने इस संबंध में सार्वजनिक सूचना जारी कर मालिकों को 15 जून तक कलेक्टर के न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इसके बाद प्रशासन इन मामलों में एकतरफा कार्रवाई करेगा।कलेक्टर ने बताया कि 12 मई को एक मशीन पलेरा तहसील के छेवला घाट से और दूसरी टौरिया ऊगड़ से जब्त की गई थी। इसी तरह, 10 मई को उपरारा खास से एक मशीन और 20 मई को मजरा कुटिन घाट से एक अन्य मशीन जब्त की गई थी। इन मशीनों को जब्त किए हुए 20 दिन से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन मालिक सामने नहीं आए हैं। जब्त की गई मशीनें आर 2015 और आर 2010 मॉडल की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 63 लाख से 75 लाख रुपए प्रति मशीन है। चारों मशीनों का कुल मूल्य लगभग 2.80 करोड़ रुपए है। इतनी महंगी मशीनों के मालिकों का सामने न आना किसी बड़े माफिया के शामिल होने का संकेत दे रहा है।दूसरा कारण यह है कि अवैध खनन में लगे वाहनों के आरटीओ में रजिस्ट्रेशन नहीं होते है। यह मशीनें चेन से चलने वाली होती है और सड़कों पर नहीं चलती है। इसलिए इनके रजिस्ट्रेशन नहीं कराए जाते हैं। ऐसे में इनके मालिकों का पता नहीं चला है।

एफआईआर जतारा के कर्मचारियों के साथ मारपीट की घटना का मामला

विद्युत कर्मचारियों के प्रदर्शन उपरांत पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

बिजली विभाग के दफ्तर में मारपीट के मामले में पुलिस ने शनिवार को नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सभी आरोपी रतनगुवां गांव के निवासी बताए गए हैं। यह कार्रवाई विद्युत कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन और आंदोलन की चेतावनी के बाद की गई।

यह घटना 2 जून को जतारा सब-डिवीजन कार्यालय में हुई थी। आरोप है कि उस दिन रतनगुवां गांव के कुछ लोगों ने बिजली कर्मचारियों के साथ मारपीट की थी। घटना के बाद से ही मामला चर्चा में था, लेकिन शुरुआती दिनों में एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी थी।एफआईआर दर्ज न होने से नाराज बिजली कर्मचारियों ने शुक्रवार को टीकमगढ़ में रैली निकाली थी। इसके बाद उन्होंने

एसपी कार्यालय पहुंचकर विरोध जताया और चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।दबाव के बाद जतारा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इनमें सुनील अहिरवार, महेश अहिरवार, जानकी अहिरवार, जितेंद्र अहिरवार, रामचरण अहिरवार, देवेंद्र अहिरवार, जय राम अहिरवार, रविंद्र अहिरवार और सुनुवा वंशकार शामिल हैं। पुलिस ने इन पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिजली विभाग के दफ्तर में मारपीट के मामले में पुलिस ने शनिवार को नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सभी आरोपी रतनगुवां गांव के निवासी बताए गए हैं। यह कार्रवाई विद्युत कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन और आंदोलन की चेतावनी के बाद की गई। जतारा बिजली दफ्तर में कर्मचारियों के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने 24 घंटे बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की है। इससे नाराज बिजली विभाग के कर्मचारियों ने बुधवार को काम बंद कर दिया और हड़ताल पर चले गए। कर्मचारियों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद बुधवार को एसडीओ कार्यालय पहुंचकर भी शिकायत की गई।

कर्मचारियों ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए पुलिस अधीक्षक के नाम एएसपी विक्रम सिंह को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे। पुलिस को दिए आवेदन पत्र में बिजली कर्मचारियों ने बताया कि 2 जून को ग्राम रतनगुवां के कुछ लोग 25 केव्हीए ट्रांसफार्मर लेने कार्यालय आए थे।

इन लोगों पर मामला दर्ज

विद्युत विभाग के कर्मचारियों की मांग पर पुलिस ने सुनील अहिरवार, महेश अहिरवार, जानकी अहिरवार, जितेंद्र अहिरवार, रामचरण अहिरवार, देवेंद्र अहिरवार, जय राम अहिरवार, रविंद्र अहिरवार और सुनुवा वंशकार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इन पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

उप संचालक कृषि मनोज कश्यप द्वारा जिले के कृषकों को सूचित किया गया है कि खरीफ की प्रमुख फसलों जैसे मूंगफली, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल एवं अन्य खरीफफसलों के लिए आवश्यक उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा जिले में उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि जिला विपणन केन्द्र में यूरिया 1535 मैटन, डीएपी. 1915 मैटन, एनपीके. 1258 मैटन, एसएसपी 232 मैटन एवं पोटाश 164 मैटन, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में यूरिया 88.5 मै.टन, डीएपी. 933.25 मैटन, एनपीके 30.0 मैटन, एसएसपी 73.80 मै.टन निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास यूरिया 2212 मै.टन, डीएपी 763 मै.टन, एनपीके 1635.45 मैटन, एसएसपी 1370 मै.टन एवं पोटाश 237.75 मैटन उपलब्ध है। कृषक अपनी आवश्यकता अनुसार यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी पोटाश, एमपी एग्रो केन्द्रों एवं अधिकृत निजी विक्रेताओं से बलराम एप एवं ई-विकास पोर्टल से ई-टोकन जारी करे।